



VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS

M 20 AUG 2022 No. 3

RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Ishwar Lal Bhatnagar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1295818
Center	Delhi	Date	20 Aug, 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI** इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION - A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

'परोपकारिता' : पुण्याय पापाय परपीडनम्
वात्सीय का यह कथन परोपकार को
'पुण्य' मानता है। सार्वजनिक जीवन
में परोपकारिता की जैसे-जैसे इस प्रकार
है।

(क) मानव समाज परस्परता पर
आधारित है इसलिए दूसरों के उपकार
के परोपकार करना मानव को संतुष्टि देता
है - अजीम प्रेमजी ने वॉल-19
के दौरान शेजाना 22 करोड़ का दान दिया

(ख) भारतीय समाज गरीबी, वृद्धता
धूम्रपान की पीड़ा से ग्रस्त है ऐसे

में समाज के व्यापक हित के लिए
परोपकार जरूरी है।

जैसे - नेटन नीलैक्सी द्वारा 50%०

सम्पत्ति का दान किया।

(ग) असाधनों का पुनः वितरण करना,
गान्धी जी के दूस्तीशीप का पालन करना
के लिए परोपकार जरूरी है।

(उपाय) (A) लोक सेवा में समानुष्कृति का मुग

(B) अन्योदय → सर्वोदय में
विश्वास होना।

(C) ऑन साइट प्रशिक्षण द्वारा
दु-दिन्या देवराजन आदिवासी क्षेत्र में रही

आता परोपकारिता वही के
लिए मुल्यों से नैतिक अभिवृत्ति का
विकास करना होगा।

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

"जब इशे नेक हो तो परिणाम भले ही
हो जाते हैं" यह उद्धरण हमें
इस कार्य को अपनाने की प्रेरणा
देता है जो भले परिणामों में बदलाव
न करे लेकिन उनका संकेत अच्छा
हो। जैसे: माल सिबनल पर उस
समय रुकने का सिहान्त जब निगरानी
के लिए कोई न हो।

'सत्य बोलना' या आपशिष्ट
को अगर मैं डालना व्यक्तिगत आदत
हो सकती है।

गोष्पी जी कहते हैं कि हम
जो करते हैं वह गोष्पी होता

हैं लेकिन यदि हम कुछ करेंगे
तो नहीं तो कुछ नहीं होगा।

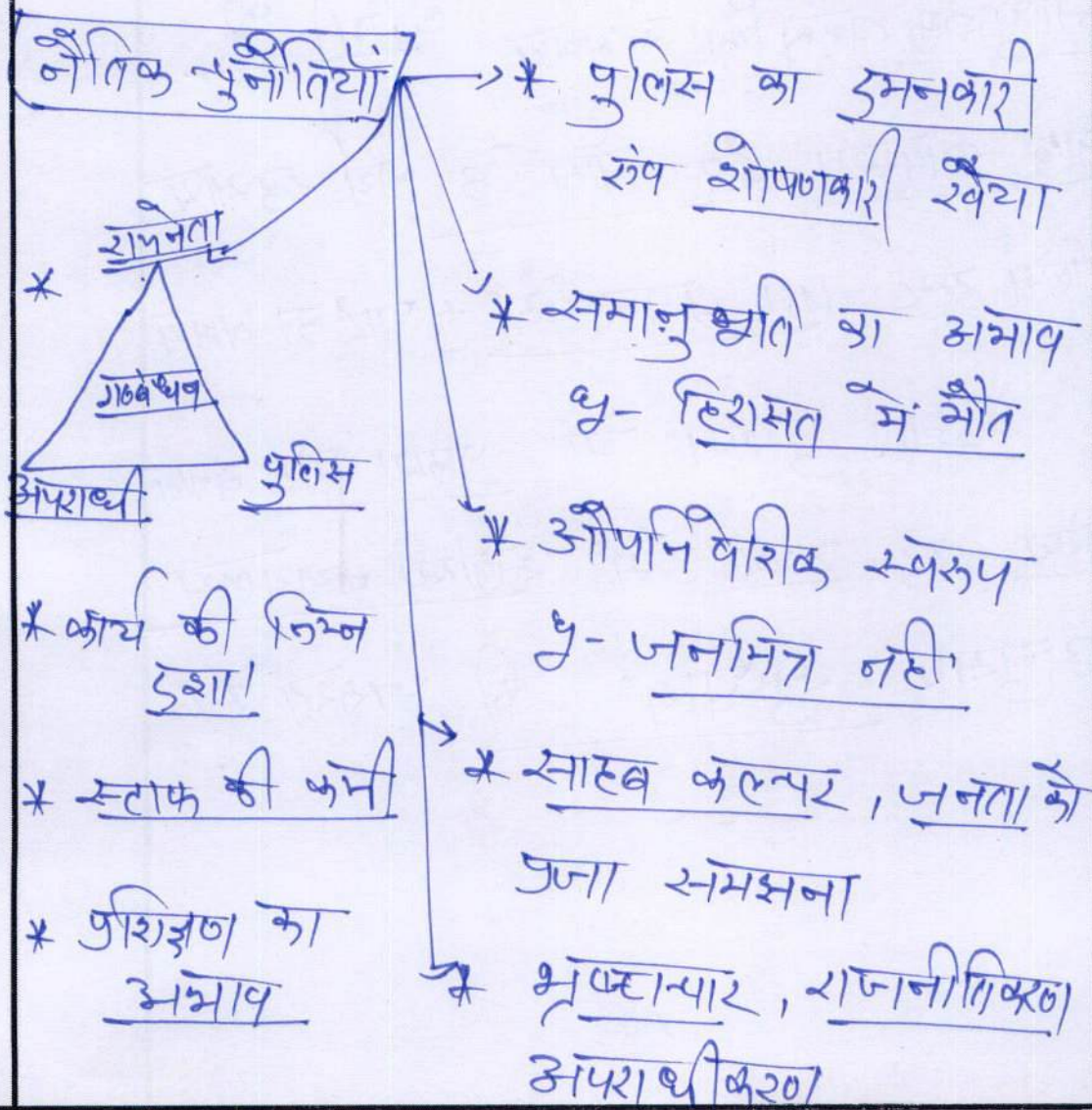
'रुक सिविल सेवक'। इन्फार्म
अपने कार्य को उस की
नींदी न मानकर पूरी सहूल
से करना।

अतः हम यह समझें हैं
कि कुछ अर्थों के परिणामों से
ज्यादा उसके पीछे का औचित्य
महत्वपूर्ण होता है जैसे - कॉर्ट
कहते हैं - कर्तव्य के लिए कर्तव्य।

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत में पुलिस का स्वरूप
औपनिवेशिक विरासत से ग्रस्त है; पुलिस में भ्रष्टाचार, जनता से जति असंवैधानशील रवैया आदि समस्याएँ शामिल हैं।



प्रभावकारण

(A) पुलिस पर राजनीतिक
स्वा. का नियंत्रण
यु- सिफारिश कल्पर

(B) जनता रूँप पुलिस के मध्य दूरी

यु- जनता पुलिस के पास जाने से शर्ती

(C) कानूनों का दुरुपयोग (D) न्यायिक प्रणाली

(E) आधुनिक तकनीक का अभाव प्रीमी है

(F) शिक्षा-व्यवस्था रूँप जाँच के कार्य रुक साध

(G) पुलिस रुक - 1861 पुराना है सुधार का अभाव

आता पुलिस को प्रफरा सिंह वनाम

भारत सैष्य वाद - 2006 में सर्वोच्च न्यायालय

के अनुसार सुधारों की जरूरत है

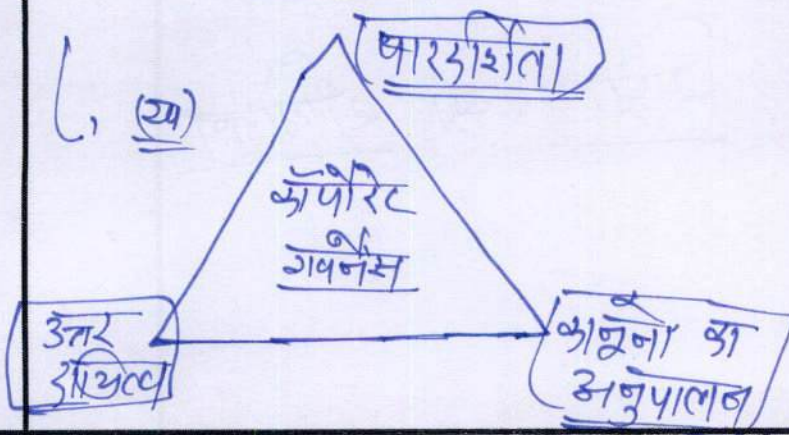
2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय
कम्पनी का संचालन पारदर्शिता, जवाबदेही
और सार्वजनिक मूल्यों के अनुसार
करने से है। धु- CSR का सही उपयोग

भावना और संरचना का संयोजन

→ (क) उद्योग के अभेदी के अनुसार
कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संरचना के
साथ-साथ मूल्यों (समानुष्मति, पारदर्शिता
और जवाबदेही) का समन्वित जोड़ है।



(ग) कॉर्पोरेट गवर्नेंस में भाषणा के
समावेश से व्यवसाय का सम्मान
उद्देश्य लाभ की अधिकता की
बजाय कल्याण की अधिकता

जैसे - मैट्रुडा ग्रुप का नन्दी बली
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा
शिक्षा को ई। आरव प्रेसिडेंशन

(घ) स्टिक होल्डर एवं शेयर होल्डर के
अधिकारों की पूर्ति हेतु पूरी

आता कुमार मैंगलम कैसी के
निर्देशों अनुसार स्प्रिट का संयोजन
आवश्यक है।

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तर वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण और सुशासन

के उच्च मानकों को संस्थागत रूप देने में आम नागरिक की महती

भूमिका है। जैसे → हरेकला एजव्व

द्वारा अपनी जीवनभर की कुमाई
स्कूल निर्माण में देना।

भूमिका → ① सुशासन के कार्यों में
सेवाओं के वितरण में नागरिकों

की भूमिका धु- बैलाश साथोपा द्वारा
85 हजार वज्यों को शोधन से बचाने

② नैतिक आचरण के रूप में
RTI कार्यकर्ता द्वारा (अरुणा रॉय)

लोकपाल को संस्थागत रूप देना है
या RTI को मजबूत बनाने के
आम नागरिक की अहम भूमिका रही

③ जाखन पारंग द्वारा 500
हैक्टर का जंगल उगा देना है या
मोहन पौगण्ड द्वारा सेना को 100
मीटर टैंक बनाकर देना।

④ पीपल्लात्री गोख के सरफंख
इयाम सुंदर पालीवाल द्वारा 3 लाख
पैस लगाने का कार्य।

आता मुशासन और नीतिक
आमरण को संस्थागत रूप देने
में आम नागरिक की भूमिका
निर्णायक होती है।

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भारत में लोक प्रशासन औपनिवेशिक वैबेरियन ब्यूरोक्रेसी पर आधारित है, जिसका उद्देश्य स्थायित्व सुनिश्चित करना था न कि समृद्धि या जन-कल्याण। इसलिए भारत में रूल-बुक नौकरशाही, पदानुक्रम और नियमों पर अधिक जोर दिया जाता है। एकाकी - कार्य संस्कृति के कारण टीम भावना का अभाव है। नवोन्माद बढ़ावा दे डाली उदासीनता है। भारतीय लोक प्रशासन यथार्थवादी बन गया है।

कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहकारी का महत्व

(1) (क) टीम इंडिया की भावना अनुसार
अब पडानुक्रम (वैरिफ - अचीनस्थ) की
वजाय टीम की तरह काम करना
धु - लेटरल रन्नी और नीति आयोग

(ख) सहकारी संघवाद से प्रतिस्पर्धी
संघवादी की ओर धु - 50% सुम्भांव

(ग) जनसहभागिता बढ़ाकर शासन के
जनमित्र बनाना धु - सिटीजन चार्टर, राट

(घ) मिशन उर्मयौमी द्वारा बदलाव

(ड.) भालफीताशाही, भ्रष्टाचार उम करने हेतु

अतः अब समय टीम इंडिया की
तरह काम करने का है।

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. (150 words) 10

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

डैनियल गोलमैन के अनुसार एक व्यक्ति की सफलता में 'EQ' का योगदान 80% होता है।

सैलोवी और मेयर के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता से ताल्पर्य स्वेय रूप दूसरों की भावनाओं को समझना, उन्हें चिंतन प्रक्रिया से जोड़ना और प्रबंधित करने की योग्यता से है। धु - कर्मचारियों को कार्य हेतु उनके लाभ के बारे में बताना

दुरुपयोग का अंतरा - 1) भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की कमजोरियों

का गलत फायदा उठा सकता है।

धु- किसी की भावुकता का फायदा
उठाना

② दूसरों के व्यवहार को अपने
फायदे के लिए बदलना धु ब्रेन वॉश

धु- झोतकी संगठनों द्वारा युवाओं का ↑

③ किसी व्यक्ति को गलत उद्देश्य
के लिए उपयोज लेना धु- साइबर ब्रैम्

④ यह लोभ, व्यक्तित्व को बदलता है

हालाँकि आपनात्मक बुद्धिमत्ता का

उपयोग एवं दुरुपयोग व्यक्ति के

मूल्यों एवं सिद्धान्तों पर निर्भर

करता है अतः मूल्य आधारित

नैतिक शिक्षण आवश्यक है।

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभासी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव से तात्पर्य व्यापक

द्वारा अनुमोदन, आग्रह, विनम्र अनुरोध
द्वारा व्यापक समाज से अभिप्रेरित
और दृष्टिकोण को बदलने का
प्रयास करने से है धु- विज्ञापन द्वारा
धु- पोलियो का विज्ञापन

बुरे और अशुभ के लिए स्रोत

- (i) उत्पाद से अलग वाद को भाइफोन
के रूप में धु- टिक्टाक द्वारा नार्जीवाद
(ii) नक्सलवादी जैसे हिंसक आन्दोलन में
धु- आदिवासियों को प्रशासन के विरुद्ध
(iii) धार्मिक उन्माद से आतंकवाद हेतु
धु- 25/11, अजमेरगढ़ द्वारा

(iii) फेक विज्ञापन द्वारा जैसे- रिपेयरिंग
में निवेश के विज्ञापन
धु- गौरा होने की टीम द्वारा
कले के असुन्दर घोषित

(iv) सामाजिक दुरुपयोग धु- मुसोलिनि

आन्दोलन के लिए प्रयोग

(i) सामाजिक बदलाव हेतु धु- स्वच्छ भारत
आन्दोलन के तहत शौचालय निर्माण

(ii) 'सार्वजनिक योजनाओं' के क्रियान्वयन में
धु- आर्म-सूयोग पामे द्वारा 'पिपुल्स रोड'

(iii) जनता का प्रशासन के प्रति विश्वास
बढ़ाने में। (iv) सार्वजनिक हिंसा, दंगे
रोकने में।

अतः सामाजिक प्रभाव का दुरुपयोग
भी किया जा सकता है इसके प्रति
सावधान रहें जागरूक रहें की आवश्यकता
है।

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

कल्याणकारी राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य,
भोजन, सुरक्षा जैसी अनेक सार्वजनिक
सेवाएँ नागरिक सशक्तिकरण के लिए
वितरित करता है जैसे - निःशुल्क शिक्षा

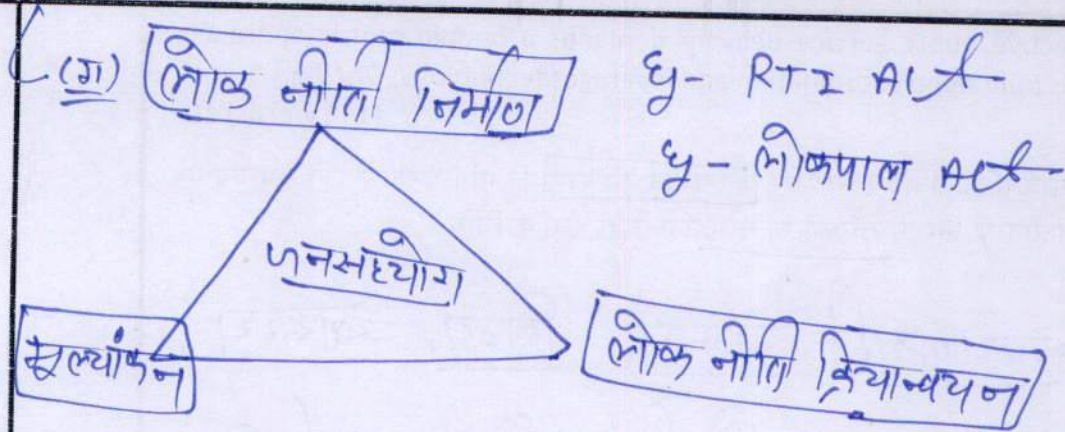
जन-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता

(क) जन-सहयोग से योजना को आन्दोलन
में बदला जा सकता है।

जैसे - अनिला गार्डिया का लोकजुबिड
शिक्षा कार्यक्रम

(ख) सरकार के संसाधन सीमित और
जनता की बढ़ती अपेक्षाओं के कारण
जन सहयोग आवश्यक हो जाता है।

जैसे - LPG सब्सिडी छोड़ना की पटल



प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण में पौरयोगिक

→ (i) सेवा वितरण की पहुँच बढ़ाना है।

धु- टेली रजिस्ट्रेशन, डिजी ड्रावर

(ii) सेवा को सटीक, प्रभावी, मितप्रयची बनाना
धु रात्रि, जल-धन योजना

(iii) ई-गवर्नेंस द्वारा लॉजिज, कृपासागर
कम होगा तथा पारदर्शिता, जवाबदेही
बढ़ेगी।

अतः प्रभावी सेवा वितरण के
लिए एक लोकमित्र शासन, जन केन्द्रित
दृष्टिकोण तथा पौरयोगिक समर्थ शासन
की आवश्यकता है।

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

'कौटिल्य' जन्मीस भारत के
कुटनीतिज्ञ और नीति भर्म्ता रहे। उन्होंने
अपनी किताब - 'अर्थशास्त्र' में राज्य के
स्वरूप एवं अधिकारों का उल्लेख किया।

महत्वपूर्ण शिक्षाएँ

प्रासंगिकता

① प्रजासुख्यः शुभम् राजः
प्रजानाम च हिते सिद्धम् $\Rightarrow$ लोक कल्याणकारी
राज्य की आवश्यकता
आज भी प्रासंगिक
लोक सेवा जनता
के प्रति समर्पित हो

② साम, दाम, दण्ड, भेद
सिद्धका प्रयोग $\Rightarrow$ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
में कुटनीति

③ बुद्धिमान आ दुश्मन
दोस्त होता है $\Rightarrow$ विदेशी सम्बंधों
में धु-धन, लाज्जा

① मिताव्ययता → प्रशासन के संसाधन सीमित
जनता के पैसों का ज्योत
प्रभावी तरीके से करना

② भ्रष्टाचार मुक्त शासन → आज लोक सेवा लाल
छिन्ताशायी, भ्रष्टाचार
ग्रह - भ्रष्टाचार से ग्रस्त
है।

उन्हे अतिरिक्त राज्य की रक्षा
देता मजबूत सेना, राजा का अपनी
जनता के लिए समर्पण और आत्मनिर्भरता
आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela (150 words) 10

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।"
- नेल्सन मंडेला

"महान व्यक्तित्व की महानता इसमें है कि उन्होंने समाज को किना महान बनाया" - 'महात्मा गांधी जी'

उपर्युक्त उद्धरण जीवन की सार्थकता दूसरों के जीवन में आर सकारात्मक बदलावों में बताता है।

जैसे- रमेश चौधुरी (बोकारो के प्र. 300) वातावरण के खिलाफ प्रार्थ

प्रासंगिकता ① लोक सेवा के रूप में जन सेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है - दिन्या देवराजन द्वारा आदिवासियों की समस्या के लिए जमीनी प्रयास

② गांधी जी कहते हैं स्वयं को
जोड़ने का सबसे अच्छा रास्ता स्वयं
को दूसरों की सेवा में डूबो दो।

(जैसे) → मोहम्मद शरीफ (परम-भी) ने
25 हजार लोगों का अंतिम संस्कार

③ सामाजिक बदलाव लाने की प्रेरणा

(जैसे) → राजा राम मोहन राय → सती प्रथा

④ वंचित वर्ग के जीवन में
बदलाव की प्रेरणा धु. पं. नरहरि
द्वारा सुगम्य योजना (दिव्यांगों)

आता! उपयुक्त कथन हमें
जनसेवा की ओर अग्रसर होने
की प्रेरणा देता है।

6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" -
स्वामी विवेकानंद

"मनुष्य कुछ और नहीं अपने विचारों
का उत्पाद है; जैसी उसकी भावना
होती है वैसा ही वह बनता है।"

महात्मा गांधी का यह कथन इस
बात को रेखांकित करता है कि यदि
व्यक्ति का हृदय परिवर्तन, उसकी
'स्प्रिट' को बदला जाए तो उसे स्वयं
अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

जासंगिका - ① व्यपधरात्मक बदलाव लाने
के लिए धु- "पाप से दृष्टि
करो पापी से नहीं।"

भ्रष्टाचार, अनैतिकता एवं अपराध
में सभी लार्ज जा सकती है।

② मुल्कों' आधारीत' परित्र का निर्माण

धु- MAJ अबुल कलाम के अनुसार
भूषा-पार का मुख्य कारण है
अन्तरात्मा का मर जाना।

③ शिक्षा क्षेत्र में बदलाव : जहाँ
शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को
विन्याशील रूप क्रियवि बनाना
है न कि उत्कृष्टता।

उत्कृष्टता यदि स्मि को बदला
जाए तो व्यक्ति स्वयं आत्म
आत्मरण उत्कृष्टता लगता है।

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है" -
मार्टिन लूथर किंग जूनियर

"जब तक मनुज - मनुज का भाग नहीं समझे
संश्लेषित न होगा कोलाहल, ख नहीं कम होगा"

वास्तविक शांति संभावना के
न्यायपूर्ण वितरण, न्यायिक परिवेश
और समोपेक्षी विकास से ही
संभव है।

उदाहरण - ① असमानता को कम करने
के लिए भारत में 14. आबादी
के पास 22% सम्पत्ति

② अलगवादा, हिंसा, उग्रवाद को
रोकने के लिए समातामूलक समाज
और समातामूलक विकास जरूरी है।

③ जातीय, लैंगिक, भाषाई और
नस्लीय भेदभाव के कारण संघर्ष
द्व- बैक लाइव मैटर्स आन्दोलन
द्व- नस्लवादी आन्दोलन

④ पुशासन में विश्वास तब ही होगा
जब न्याय और पारदर्शिता
होगी।

उदा! मोर्निन दूधर बिंग
का यह कथन न्याय को
अनिश्चित किया जाने की
अनिवार्यता की और झोरा
करता है।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? (20)

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए अपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिम्ब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

उपर्युक्त इस अध्ययन में प्रस्तुत नैतिकता और व्यक्तिगत नैतिकता में इस के साथ ही बच्चों के परिपक्वता, अपराधिक उत्तरदायित्व के मुद्दे शामिल हैं।

मुख्य हितधारक

- * वयस्क वर्ग
- * सरकार (कानून निर्माता)
- * प्रशासन (कानून का क्रियान्वयन)
- * व्यापक समाज
- * मीडिया (रुढ़ नागरिक रूप में)

(व) संभावित कारक जो वर्गों को जघन्य अपराध से लिख प्रेरित करते हैं -

(क) परिवार की निधनता एवं जीवन जीने की निम्न इशा। जैसा की 'आरस्तु' कहते हैं कि "गरीबी अपराध की जननी है।"

(ख) आपराधिक दृष्टिकोण - वर्गों का सामाजिक हिंसा, लड़ाई-झगड़े के परिवेश में होना। धु- वर्गों अपने परिवार में घरेलू हिंसा को देखते हैं और उससे सीखते हैं।

(ग) शिक्षा का अभाव - NCERT के आँकड़े बताते हैं कि जघन्य अपराधियों में अधिकांश ने उच्च शिक्षा पूर्ण नहीं की।

(घ) वीडियो गेम्स और हिंसा का मोहिमा -
मंडन करने वाली वेब सीरिज, फिल्म
(द्य- 'गेम्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्म
देखना।

(ङ) रोजगार का अभाव → असंतोष
धु-चोरी करना धु-तस्करी करना
आतः बन्धों समाज और परिवेश से
ही हिंसा के अपराध के लिए प्रेरित होते
हैं, जिसके बहुआयामी कारण हो सकते हैं।

(b) बन्धों को सुधार का मौका देने के
पत्र में तर्क → * गाँधी जी के अनुसार
हमें पाप से दूर रखनी चाहिए न की पापी से
इसलिए बन्धों (वयस्कों) को सुधार का मौका
मिलना चाहिए।

* मनोवैज्ञानिक अनुसंधान
और आपराधिक अध्ययन यह साबित करते
हैं कि (वयस्कों) में सुधार लाना संभव है।
आतः दंडित करने की बजाय सुधार करना चाहिए।

(*) मनुष्य साध्य है साधन नहीं।
इसलिए व्यवस्था उसके सुधार हेतु है।

(*) दंडित करने से व्यस्क सघायी
रूप से अपराध की दुनिया को अपना
सकता है जिससे सुधार की गुंजाइश नहीं
रहेगी।

(*) गाँधी के अनुसार हर व्यक्ति
को हृदय परिवर्तन करना संभव है वस
उसे वैसा परिपेश देना चाहिए।

विपक्ष में तब → (i) संविधान में समानता
के अधिकार (अनु. 14) के अनुसार कानून सबके
लिए समान है → फिर व्यस्कों को छूट क्यों?

(ii) NACRB के ऑफिस बताते
हैं कि व्यस्क अपराधियों की संख्या पिछले
5 वर्षों में दो गुना हुई है।

(iii) 'व्यस्क' अपना भला
कुरा स्पष्ट सोच सको है।

औरों की राह → क्रिश्चियन न्याय अधिनियम-2015
16 वर्ष से बड़े व्यक्तियों को सजा देने
 का प्रावधान रखा है। हालाँकि यह देश
 की अधिकांश सुधारार्थी होनी चाहिए। तथा
 ऐसे अपराधियों को सामान्य कैदियों से
 अलग सुधार गृहों एवं पुनर्वास केंद्रों में
 रखा जाना चाहिए।

आत. NCR के मत में
 मध्यस्थता की आवश्यकता है; इस पर चर्चा
 जारी करने से पहले व्यापक चर्चा और
विलेपन की जरूरत है। अपराधों की बढ़ती
 प्रवृत्ति, आतंकवाद एवं अन्य में व्यक्तियों
 की भागीदारी का अध्ययन कर ही कोई
 कदम उठाना चाहिए।

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

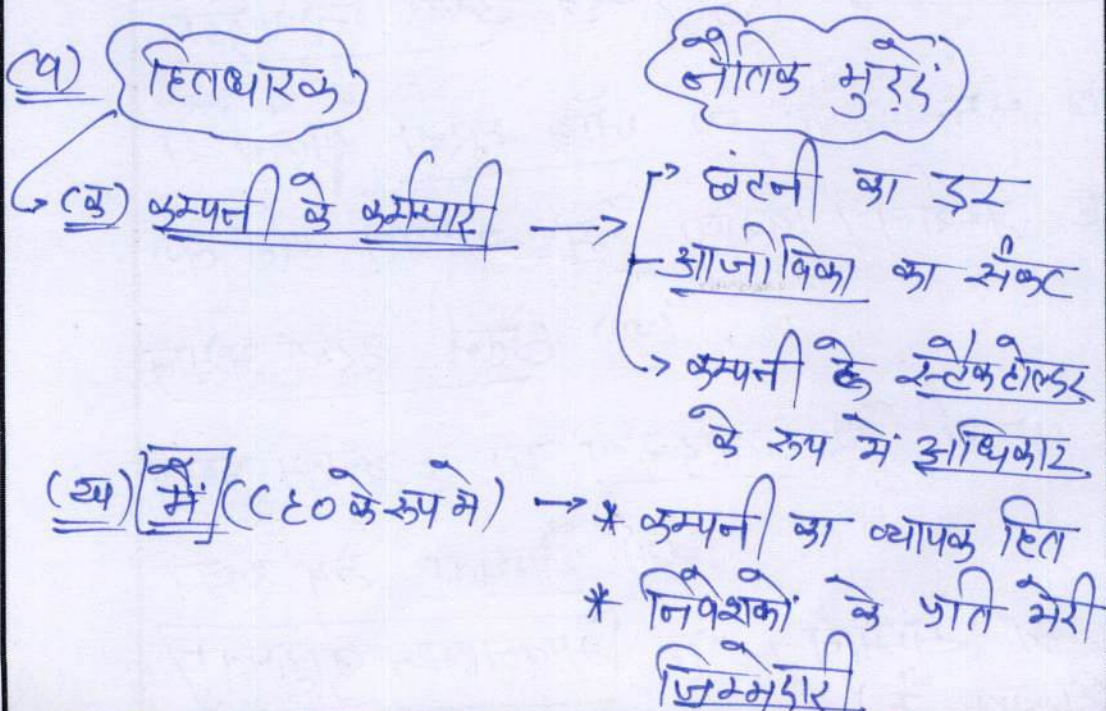
(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चंचल नहीं अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

- (a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:
- (i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।
 - (ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटर्नर के तौर पर रखना।
 - (iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।
 - (iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।
- (c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

यह कैसे अध्ययन व्यावसायिक हितों और
व्यक्तिगत मूल्यों के बीच तनाव तथा एक
कार्यकारी प्रमुख के निर्णय निर्माण की अंमति
को रेखांकित करता है।



- औद्योगिक व व्यावसायिक
नैतिकता में डूब

(ग) निवेशक → निवेश पर 'लाभ' का
अधिकार
→ व्यावसायिक स्वतंत्रता
→ निजी हित बनाम जनहित

(घ) शासन/सरकार → कॉर्पोरेट गवर्नेंस का मुद्दा
→ कानूनों की अनुपालना
यु- कम्पनी रकट 2013
यु- अम संहिता 2020

(b) प्रथम विकल्प के गुण - (क) उच्च निष्पादन
वाले कर्मचारियों को जॉब सुरक्षा मिलने से
वह प्रदर्शन/विरोध में शामिल नहीं होंगे
(ख) धैर्य करना आसान

होगा। कम्पनी के उत्पादकता पर न्यूनतम प्रभाव

(ग) औद्योगिक क्षेत्र उच्च
शैक्षणिक का सम्मान। यह आवनात्मक बुद्धिमत्ता
का उदाहरण है।

- दोष** - (i) कर्मचारियों में भेदभाव करने से
अन्य कर्मचारी हड़ताल पर बैठेंगे
(ii) कम्पनी की उत्पत्ति पर बुरा प्रभाव
(iii) उत्पादन स्तर में गिरावट होगी

द्वितीय विकल्प के **गुण** - (A) हलाय जय कर्मचारी
सन्तुष्ट रहेंगे।
(B) उन्हें वैकल्पिक
रोजगार मिलेगा

दोष - (i) पार्ट-टाइम काम उन्हें आमांषिक सुरक्षा
का लाभ नहीं मिलेगा व - बीमा
(ii) कर्मचारियों में असंतोष → विरोध

तिसरा विकल्प - **गुण** - (A) निवेशक सुख रहेंगे
(B) मुझे करियर में फायदा
(i) कम्पनी की लाभप्रति बढ़ेगी

दोष - नैतिकता वहीन व्यापार को गोष्ठी जी
ने पाप कहा है। अतः कर्मचारियों की
हठनी से उन पर आजीविका असंभव

सौधा विवरण - गुण - (A) निष्पक्ष रूप ईमानदार
कर्मचारियों की छांटनी
नहीं होगी।

(B) निवेशक भी खुश रहेंगे

(C) कम्पनी की तात्कालिक
जरूरत पूरी होगी

दोष - निष्पक्षता का निर्धारण वस्तुनिष्ठ होकर
करना मुश्किल है। काल भेदभाव होने
की संभावना होगी।

मेरी कार्यवाही - (क) सर्वप्रथम में कॉर्पोरेट
गवर्नेंस के सिद्धान्त के अनुसार अपना

गोचरधारक के हित की वजाय स्टेकहोल्डर

जिसमें सभी कर्मचारी, कम्पनी के मालिक रूप
प्रशिक्षता का ध्यान रखते हूँ। निवेशकों
के लाभप्रदता बढ़ाने के वैकल्पिक मार्ग

सुझावेंगा।

(अ) मेरी पूरी कोशिश होगी कि मैं
छोटी जैसे उमर के न उठाऊँ तथा
परम्पारियों की श्रमता, उत्पादकता और
कौशल शिष्ट पर अपनी की उत्पादकता
और लाभ-पदता बढ़ाऊँ।

(ग) जैसा कि गाँधी जी का दृष्टिकोण
सिद्धान्त कहता है कि निवेशकों / प्रेमीपतियों
को केवल अपना हित ही नहीं देखना चाहिए।

(घ) यदि अन्त में मुझे छोटी बनी
भी पड़ी तो परम्पारियों में प्रदर्शन और
निष्पक्षता के आधार पर होगा वाकि
भविष्य में अपनी की उत्तरजीविता बढ़ा
सकू।

अतः मैं व्यापार नीति तथा और
व्यक्तिगत नीति तथा के आधार पर एक
संगठित उमर उठाऊँगा।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. (20)

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

यह ब्रेस अध्ययन अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नीतिगत के मुद्दों को उठाता है। जिसमें शरणार्थी समस्या के कारण देशों के मध्य नीतिगत अंतराल रूप राष्ट्रीय हितों का मुद्दा भी सम्मिलित है।

(व) अरणार्थियों के सम्बंध में नैतिक मुद्दे

निम्नानुसार है -

(ब्र) संयुक्त राष्ट्र अरणार्थी कन्वेंशन के अनुसार हिंसाशून्य क्षेत्र से आने वाले अरणार्थियों को वापस अपने देश नहीं भेजा जाना चाहिए यदि उन्हें जीवन का खतरा हो तो।

(ज) अरणार्थियों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा, जो उन्हें UNHCR के तहत एक मानव मात्र होने से उद्धार

(ग) राजवर्दीन एवं नागरिकता से वंचित अरणार्थियों के लिए अस्तित्व का संकट, पहचान का संकट

(घ) अरणार्थियों की तस्करी, मानव देह व्यापार एवं शोषण का मुद्दा

(3.) अरण्यदाता शरणों के संसाधन
सीमित हैं। सांस्कृतिक लक्ष्य का मूला
धु - असम में शोधित शरणार्थी

(4) राष्ट्रीय हितों से अंतर्राष्ट्रीय नीतियों
में लक्ष्य धु - तिब्बत शरणार्थी भारत में

(b) सुझाव * शरणार्थी नीति द्वारा स्थानीय
प्रशासन के लिए शरणार्थियों की पहचान,
आवास और चिह्नीकरण के आंकड़े जुटाने
से निर्देश देना।

* भारत अभी तक संयुक्त राष्ट्र
की 'शरणार्थी' परिभाषा से सहमत नहीं
है। अतः एक वैश्विक शरणार्थी परिभाषा
बनाने का प्रयास करना।

* शरणार्थियों की अवैध
प्रसंग शरण के लिए सीमा-वर्तों

को प्रशिक्षण, संसाधन, तकनीक देना।

Ex- BSF का अंतराधिकार सीमा से
50 Km करना।

⊗ द्विपक्षीय सम्बंधों द्वारा समाधान

Ex- भारत- बांग्लादेश के मध्य समझौता
द्वारा रेल्वे शरणार्थी को बसाना

Ex - 'भाषण द्विप' से डॉपरेशन इंसिफि

⊗ शरणार्थियों को स्थानीय संस्कृति

से अलग, तक को रेल्वे के
लिखे डाला 'इनक्लेव' बनाना

⊗ भारत को व्यापक राष्ट्रीय नीति

द्वारा शरणार्थी मुद्दे पर अपनी
यह स्पष्ट करना ताकि अवैध
प्रवासन ना हो।

अस्थायी समस्या एक व्यापक वैश्विक
 समस्या है जिसका समाधान वैश्विक
 मंच (UN, UNHCR) पर चर्चा द्वारा
 तबतलाशा जाना चाहिए। विकासी देशों
 द्वारा जिम्मेदारी लेनी चाहिए न कि
विकासशील देशों से धरोसे छोट देना।

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. (20)

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगें और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करें। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

इस बेस अध्ययन में वाक् रंग
अभिधायि की स्वतंत्रता (अनुच्छेद - 19)
तथा उस पर युक्ति युक्त निर्बंधन (19(2))
की समस्या को उठाया गया है।

(क) मौलिक मुद्दे

(क) वाक् रंग अभिधायि की स्वतंत्रता
एक मौलिक अधिकार है (अनुच्छेद - 19(1))
लेकिन इस पर मानवनी, लोकन्यायशास्त्र,
सदामार जैसे निर्बंधन भी आरोपित
हैं।

(ख) मौलिक आत्मसंरक्षण के प्रति
समाज के पूर्वाग्रह का मुद्दा है।

(ग) निजता के अधिकार रंग गारिमा
पूर्ण जीवन के अधिकार (अनु. 21) के
साथ एकरा का मुद्दा है।

(घ) पब्लिक रियिग्स का भंडा है।

(ङ) हेट स्पीच, फ्रेड स्पीच और
सेक्शनशीलता का भंडा शामिल है

(B)

मिरे द्वारा उठाए जाने वाले कदम

↳ तात्कालिक कार्यवाही

(इस) समिति के अध्यक्ष के रूप में
दोनों पक्षों को अपनी बात पुनः समिति
के समक्ष रखने को कहेगा तथा बैठ
भी कदम उठाने से पूर्व 'तात्कालिक
न्याय' का ध्यान रखते हुए दोनों को
सुनवाई का मौका देगा।

(अ) 'पैनलिसट' की बातों द्वारा जारी
लैंगिक उत्प्रेरक के खिलाफ प्रस्ताव
या मानव का मामला होने पर

पैनलिस्ट को माफ़ी भोगने के लिए
उटना।

(ग) 'पैनलिस्ट' की टिप्पणी के आपत्ति
पुनः देने पर उसे कॉलेज से परिष्कार
रिपोर्ट से हटाना।

(घ) जैसा कि वालेचर उटना है
कि हो सकता है मैं आपकी बात से
सहमत न होऊँ फिर भी मैं आपके
अभिप्राय के अधिकार की रक्षा करूँगा।
उस विचार के आधार पर 'रिसोसिशन'
को 'पैनलिस्ट' के विचारों को अधिक
महत्व न देने को कहूँगा।

(ङ) स्थानीय मीडिया के साथ मिलकर
एक स्वस्था सेवा आयम करूँगा।

दीर्घकालीन कार्यवाही

(i) अमेरी द्वारा कॉलेज प्रशासन और
विश्वविद्यालय प्रशासन को चर्चा,
वाद-विवाद हेतु व्यापक दिखा-
निर्देश बनाने के निर्देश देना

(ii) अविषय में आपातजनक भाषण
रूप अतिवादी विषयों के लिए आसार-
सौदिला बनाना।

उक्त स्वस्थ चर्चा लोभता का
मूल आधार है लेकिन अभिप्राय
के मूल अधिकार का उल्लंघन इससे
के अधिकारों के उल्लंघन हेतु न हो
यह ध्यान रखा जाना चाहिए।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

"हमें बट करना चाहिए जो सही है वह नहीं जो सब करते हैं"- आरस्तु

उपर्युक्त केस अध्ययन खेल नीतिगत

के साथ-साथ आंतरात्मा के संकट को भी रेखांकित करता है।

(क)

उपलब्ध विकल्प

(i) मैं भी प्रदर्शन बोलने वाली हवा ले लू।

↳ गुण → (A) मैं देश के लिए मेडल
जीत सकूंगा

(B) पैसे ज़ाने का डर कम है।

(C) सब कर रहे हैं तो मैं क्यों
पीछे हूँ।दोष(क) यह न बोल अनैतिक है
वाल्कि गैर-अनुज्ञा भी है।(ख) मेरी आंतरात्मा इस बात के
लिए सहमत नहीं और आंतरात्मा
का उल्लंघन → असंतोष (A)(ग) पैसे ज़ाने पर क्रियर व्यक्त
और देश का नाम भी धराबा(घ) गांधी के अनुसार असत्य,
के पाप है। यह दीर्घकाल के
लिए हानिकारक → स्वास्थ्य (D)

(ii) मैं दवा न लू तथा उन्हें लेने दूँ।

(गुण) - (क) परमनम अधिपति और खेल
नीतिविता के अनुसार सही

(ख) मैं अपना पूरा ध्यान अपने
औशल पर देगा। हर भी गया
तो भी संतोष रहेगा।

(ग) कानूनी कार्यवाही से बचा रहूँगा

(दोष) - (i) उन्हें लेने देने से मैं अपराध
का सहभागी बनेगा।

(ii) गलत होते देखना और विरोध
न करना भी अपराध है।

(मेरी कार्यवाही) - मैं सर्वप्रथम खिलाड़ियों को
इसका प्रयोग न करने के लिए समझाऊँगा
तथा इसके स्वास्थ्य पर बुरे प्रभाव के
उदाहरण दे कर उन्हें इशारे का काम,
[आपनात्मक बुद्धिमता] का प्रयोग कर

ऐसे उदाहरण होगा ; जिससे यह सहमत हो सके।

→ ओप सर को यथास्थिति का भान कराकर इस शब्द का आग्रह करेगा। 'TARA' और 'NARA' के उदाहरणों का हवाला देगा।

→ मैं पूरी कोशिश करूँगा कि ओप को सहमत कर दूँ नहीं तो भारतीय प्रतिनिधि (खेल सेप) को सूचित कर सकता हूँ।

→ तात्कालिक रूप से मैं अपनी उत्तियोगिता पर ध्यान देगा लेकिन वापस लौटकर 'TARA' से 'DAI' को सूचित करेगा। इसके साथ ही भारतीय ओलम्पिक समिति (IOA) से भी इसकी सूचना देगा ताकि अविषय

में ऐसे आर्थ पुनः ना हो।

- (b) कारण
- * बढ़ती प्रतिस्पर्धा
 - * जीत का अनावश्यक इबाध
 - * खेल का व्यवसायीकरण
 - * स्पोर्ट्स स्प्रिट का अभाव
 - * जीत का महिमा भंडन
 - * खिलाड़ी की व्यक्तिपूजा से प्रदर्शन का इबाध
 - * खेलों में भाषनात्मक बहिष्कार का अभाव

- (उपाय)
- * नेशनल अथॉरिटी ऑफ रन्टी ड्राफ्टिंग द्वारा कार्यवाही → प्रतिबंध
 - * अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक संघ द्वारा आजीवन प्रतिबंध लगाना
 - * प्रतिबन्धित दवाओं से व्यापार पर रोक
- उदा. खेलों में खेल भाषना तथा खेल नीतिपत्र का विकास करने की जरूरत है। ताकि उन्हें रोका जा सके।

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. (20)

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

"भ्रष्टाचार हमारे देश को दिमक की तरह खोखला कर रहा है"- माननीय उद्यानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की जिज्ञासा को यह बेस अध्ययन रेखांकित करता है।

हिताधारक

- * उक्त खनिज मंत्री
- * जिला मजिस्ट्रेट (मैं)
- * कनिष्ठ सरकारी कर्मचारी
- * उर्वेद्य खननकर्ता और मंत्री जी के साथी
- * स्नातधारी डल व अन्य राजनीतिक पार्टियाँ
- * मीडिया
- * प्रशासन एवं समाज

नीतिक मुद्दे

- (क) सुशासन बनाम राजनीतिक भ्रष्टाचार
- (ख) लोक सेवा की राजनीतिक-तटस्थता का मुद्दा

(ग) लोकशाही - राजनीति गठजोड़ की
आवांका का मुद्दा।

(घ) विकास बनाम अवैध धन

(ङ) राज्य को राज्य धान और
संसाधनों का अवैध दोहन

(च) भ्रष्टाचार विरोधी अर्थवाही से
निष्पन्न जाँच का मुद्दा

(छ) राजनीतिक दबाव में लोकसेवा से
दायित्व से जिम्मेदारी का मुद्दा

उपलब्ध विषय

① मंत्री की बात मानकर ; अनिष्ट कर्मचारियों
पर दोष मढ़कर मामला रफा - दफा कर दे

८. गुण / (A) सरकार पर दबाव नहीं आएगा,
सलाहारी डल की वापसी से
मुझे फायदा होगा।

(B) मंत्री से अच्छे सम्बन्ध मुझे
करियर में लम्बी छलांग

(A) दोष - (A) अनिष्ट कर्मजारी को फँसाने
आनैतिक और गैर-कानूनी

(B) राजनीतिक लक्ष्यता लोक सेवा का आधारभूत मूल्य है, उल्लंघन होगा

(C) क्षुधामार एक किसलन भरा दलान है जिसका अंत तल पर जाकर होगा

(D) मेरी अंतरात्मा से खिलाफ है।

(E) लोक सेवा शैल मॉडल होता है; मेरे क्षुधामार से लेंता क्षुध

(F) 'मेरी' को नज़रअंदाज कर अपनी आर्थिक
जारी रख्यु शेष निष्पन्न जानें कर

(G) गुण - (i) कर्तव्य को पालन करने का संतोष
(ii) नैतिक रूप से सही
(iii) अंतरात्मा की आवाज सुनना -
संतोष

टिप्पणी - (ब) अधिवक्ता में करियर पर ठाकराभाऊ
(अ) मेंत्री से नाराजगी होगी ^{उभाप}

(ग) अन्य खेतर

मेरी कार्रवाई - (i) मैं सर्वप्रथम मोडिया
की रिपोर्ट की सत्यता की जाँच करूँगा,
अवैध - खनन डोरा का डोरा करूँगा तथा
पुलिस उशासन के साथ मिलकर तत्काल
अवैध खनन को रोकूँगा।

(ii) व्यक्तिगत स्तर पर
दूरे मामले की जाँच करूँगा एवं दोषियों
पर तत्कालिक कार्रवाई करूँगा। ज्योंकि
जातिफता की पुस्तक के रूप में मिला
हमें निष्काम कर्म का उपदेश देती है।

मेंत्री जी दोषी पार जाँच पर
मुख्यमंत्री को सम्मना देगा एवं पूर्ण राजनीति
तत्स्थाना के साथ आपने कर्तव्यों का पालन करेगा।